

13/5/20

पञ्जाब) पेश हई। वाढी व वाढी वकील
हीर हाजिरा वाढी व वाढी वकील को एक-
कदकर बा-बा भावाज लगाई गई।
बा-बा भावाज लगेते के बाहु भी वाढी
व वाढी वकील गो हाजिरा लिखता वाढी
का वाहु अफ हजरी व अफ पैकी को
खारिज किया जाता है पञ्जाब की कानून
वैक नभ्या देकर की जका सुकत
दालिल ही है